

5

मैं वनूंगा सरपंच

मुल्क की रूढ़ है भारतीय लोकतंत्र
होफजद जरूरी : विधायक आपदा

6

अभिमत

मुकदमा : वसिष्ठ से इस्ती
सीफजद जरूरी है मकदमा

9

देश/विदेश

संविधान के हर शब्द का पालन होने
तक एकता की राह पर चलना चाहिए

12

कसौटी

संविधान में भगवद् गीता की
राई का सत्य कथना जा रहा है

RNI NO. HAR/2018/75109

पृष्ठ 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12

फरीदाबाद, हरियाणा, 27 फरवरी, 2022

प्रति 12 पृष्ठ 3 पैसे

सबका विकास



फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सभ्यताइय करें Pioneer Haryana

आस्ट्रेलिया से पहले
हॉकी मैच में भारत
4-5 से हारा

पेज - 11

अंतिम दिन 'वित्तीय कल्याण' पर सत्र

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

'होलिस्टिक वेलनेस एंड मैनेजमेंट' के तहत वित्तीय कल्याण सत्र पर राष्ट्रीय स्तर का ऑनलाइन एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया। इसका आयोजन प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। सत्र के मुख्य वक्ता गोविंद कुमार मिश्रा, लीडर्स एक्वेन्यू के सह-संस्थापक, प्रोएक्टिव लीडर और एक ट्रेनर रहे। वह एक योग्य कंपनी सचिव भी हैं।

वह कहते हैं कि वित्तीय कल्याण महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें ज्ञान और कौशल से लैस करता है जिसकी हमें धन को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आवश्यकता होती है। वित्तीय रूप से जिम्मेदार और स्वतंत्र होने के लिए खर्चों पर नजर रखना और बजट बनाना और उस पर टिके रहना महत्वपूर्ण कौशल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पैसा हर काम का नियम है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि तंदुरुस्ती के सभी



बल्लभगढ़ अग्रवाल कालेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

विभिन्न रूपों की तुलना में, वित्तीय तंदुरुस्ती यकीनन सबसे कम चर्चा और सबसे गलत समझा जाता है। वित्तीय कल्याण पैसे के आसपास आपकी भावनाओं को समझने की क्षमता है, स्वस्थ भावनाओं को विकसित करने के साथ-साथ पैसे के बारे में साक्षरता और अपने पैसे का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने की क्षमता है। उन्होंने दिलचस्प कहानियों और संवादों के जरिए अपने विचार साझा किए। यह कार्यक्रम संयोजक डॉ. मनोज शुक्ला, समन्वयक डॉ.

शिल्पा गोयल एवं डॉ. इनायत चौधरी की देखरेख में संपन्न हुआ। सत्र का संचालन वाणिज्य में सहायक प्रोफेसर सुश्री पूजा ने किया और तकनीकी सहायता के लिए डॉ. विनीत नागपाल को धन्यवाद। इस सात दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम में लगभग 145 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एक सप्ताह की एफडीपी सभी प्रतिभागियों को समग्र कल्याण और प्रबंधन के सभी पहलुओं के बारे में जागरूक करने के साथ समाप्त हुई।